हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 17, अंक 131 09 मई 2024 गुरुवार हाथरस पृष्ठ 8 मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

सैम पित्रोदा के बयान पर भड़के पीएम मोदी

मैं आज बहुत गुस्से में हूं...

● नस्लवादी मानसिकता को स्वीकार नहीं, शहजादे को देना पड़ेगा जवाबः मोदी

> अमेरिका में शहजादे (राहुल गांधी) के फिलॉसफर और गाइड अंकल (सैम पित्रोदा) हैं। वे थर्ड अंपायर की तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा है कि साउथ के लोग अफ्रीकन जैसे दिखते हैं। हम इस रंगभेदी मानसिकता को स्वीकार नहीं करेंगे।
>
> **नरेंद्र मोदी**

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि मैं आज एक गंभीर सवाल पूछना चाहता हूं...मुझे आज बहुत गुस्सा आ रहा है, अगर कोई मुझे गाली देता है तो मैं सह सकता हूं लेकिन श्शहजादाश के इस दार्शनिक ने इतनी बड़ी गाली दी है कि मैं गुस्से से भर गया हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पार्टी नेता सैम पित्रोदा की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि उनका बयान ष्त्वचा के रंग के आधार पर देश के कई लोगों का अपमानष था। पित्रोदा ने दिन की शुरुआत में यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि पूर्वी भारत के लोग चीनियों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण भारत के लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि श्शहजादे आपको जवाब देना पड़ेगाश। मेरा देश मेरे देशवासियों का उनकी त्वचा के रंग के आधार पर अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा और मोदी भी इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।श राहुल गांधी पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि मैं आज एक गंभीर सवाल पूछना चाहता हूं...मुझे आज बहुत गुस्सा आ रहा है, अगर कोई मुझे गाली देता है तो मैं सह सकता हूं लेकिन श्शहजादाश के इस दार्शनिक ने इतनी बड़ी गाली दी है कि मैं गुस्से से भर गया हूं। उन्होंने सवाल किया कि क्या त्वचा के रंग से तय होगी देश के लोगों की क्षमता? श्शहजादाश को ये अधिकार किसने दिया? संविधान को सिर पर रखकर नाचने वाले लोग मेरे देशवासियों का उनकी त्वचा के रंग के आधार पर अपमान कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसने श्शहजादाश को मेरे लोगों को इस तरह हेय दृष्टि से देखने की अनुमति दी? श्शहजादेश तुम्हें जवाब देना होगा। हम इस नस्लवादी मानसिकता को स्वीकार नहीं करेंगे। सैम पित्रोदा ने आज कहा कि भारत में अलग–अलग शक्ल–सूरत वाले लोग मिलजुल कर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम 70–75 साल से बहुत खुशहाल माहौल में रह रहे हैं, जहां लोग यहां–वहां के कुछ झगड़ों को छोड़कर एक साथ रह सकते हैं। हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं – जहां पूर्व के लोग चीनी की तरह दिखते हैं, लोग पश्चिम में लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में लोग शायद श्वेत जैसे दिखते हैं और दक्षिण में लोग अफ्रीका जैसे दिखते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि ये कांग्रेस का नेतृत्व विदेशी मूल का क्या हो गया, आप सभी भारतीयों का मूल विदेशी में ढूंढने लगेश। मैं इसे फिर से कह रहा हूं, जब से कांग्रेस का नेतृत्व विदेशी मूल के लोगों ने संभाला, उन्होंने उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में भारतीयों को विदेशी मूल के रूप में देखना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत की अस्मिता और उसके अस्तित्व के सवाल पर भारत के विचार की लड़ाई है। यह विदेशी मानसिकता है जो मुगलों और अंग्रेजों ने हमारे दिमाग में घर कर दी थी कि हम सब बाहरी हैं और भारत सिर्फ एक सराय है... कांग्रेस की मानसिकता स्पष्ट है।

सैम पित्रोदा के बयान पर भाजपा की प्रतिक्रिया

> सैम भाई! मैं उत्तर पूर्व से हूं और मैं भारतीय जैसा ही लगता हूं। देश के बारे में थोड़ा तो समझ लो।
>
> **हिमंता बिस्व सरमा**
> मुख्यमंत्री, असम

> यह राहुल गांधी की शब्दावली और विचारधारा है। भारतीयों को भारतीयों से बांट रहे हैं।
>
> **शहजाद पूनावाला**
> भाजपा प्रवक्ता

> वे राहुल गांधी के सलाहकार हैं। अब मुझे समझ आया कि राहुल बकवास क्यों करते हैं।
>
> **रविशंकर प्रसाद**
> भाजपा नेता

राहुल गांधी हर दिन अडानी के बारे में बात करते हैं: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रियंका ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी ने कहा– राहुल गांधी अडानी का नाम नहीं ले रहे। सच्चाई तो ये है– राहुल गांधी हर दिन अडानी के बारे में बात करते हैं, वो हर दिन अडानी का सच आपके सामने रखते हैं और उसे उजागर करते हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को अपने भाई और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के हमले का जवाब दिया, जहां उन्होंने अडानी–अंबानी पर कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाया था और सवाल किया था कि क्या कांग्रेस और उद्योगपति के बीच कोई गुप्त समझौता था। रायबरेली में एक चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी ने कहा– राहुल गांधी अडानी का नाम नहीं ले रहे। सच्चाई तो ये है– राहुल गांधी हर दिन अडानी के बारे में बात करते हैं। , वो हर दिन अडानी का सच आपके सामने रखते हैं और उसे उजागर करते हैं। राहुल गांधी रोज कहते हैं कि नरेंद्र मोदी की बड़े उद्योगपतियों से सांठगांठ है। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी ने अपने मित्रों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ कर दिये, लेकिन किसानों का एक रुपया माफ नहीं किया। नरेंद्र मोदी को इसका जवाब देना चाहिए।

'तीन चरणों में ही 190 सीटें पार कर गए हैं मोदी'

● अमित शाह बोले– चुनाव बाद राहुल बाबा को निकालनी पड़ेगी कांग्रेस ढूंढो यात्रा

> कांग्रेस ने हमेशा लिंगायत समुदाय का अपमान किया। कांग्रेस ने सिर्फ दो ही लिंगायत CM दिए और दोनों को ही अपमानित करके पार्टी से निकाल दिया।

हरदोई,(एजेंसी)। अमित शाह ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन है, सपा, कांग्रेस, टीएमसी... ये सारे जो इकट्ठा हुए हैं, इन्होंने 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले किए हैं। कल ही झारखंड में इंडी गठबंधन के मंत्री के सचिव के नौकर के घर से 30 करोड़ रुपया पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस के एक सांसद के घर से 350 करोड़ रुपये पकड़े गए थे। उत्तर प्रदेश के हरदोई में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक प्रकार से हरदोई अपने प्रिय नेता अटल जी की भी कर्मभूमि रही है। जनसंघ के जमाने से 1962 में हरदोई ने यहां दीपक जलाकर जनसंघ को आगे बढ़ाया है। उन्होंने दावा किया कि तीन चरण में हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी 190 सीटें पार कर चुके हैं और ये चौथा चरण 200 पार करके 400 की ओर जाने का चरण है। समाजवादी पार्टी–कांग्रेस, दोनों का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, चुनाव के बाद भारत जोड़ो यात्रा नहीं, कांग्रेस ढूंढो यात्रा निकालनी पड़ेगी। अमित शाह ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन है, सपा, कांग्रेस, टीएमसी. .. ये सारे जो इकट्ठा हुए हैं, इन्होंने 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले किए हैं। कल ही झारखंड में इंडी गठबंधन के मंत्री के सचिव के नौकर के घर से 30 करोड़ रुपया पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस के एक सांसद के घर से 350 करोड़ रुपये पकड़े गए थे। उसके कुछ दिन पहले टीएमसी नेता के घर से 51 करोड़ रुपये पकड़े गए थे। मैं राहुल बाबा और अखिलेश से कहना चाहता हूं कि भ्रष्टाचार करोगे तो पकड़े भी जाओगे और जेल भी जाओगे। कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि 2021 में अखिलेश यादव, हरदोई में सरदार पटेल की प्रतिमा का उद्घाटन करने आए थे।

और कह गए कि मोहम्मद अली जिन्ना महान व्यक्ति थे। अरे, अखिलेश इतिहास पढ़ो ढंग से, भारत माता के टुकड़े करने वाले और कोई नहीं आपके महान नेता मोहम्मद अली जिन्ना थे। उन्होंने दावा किया कि ये राहुल बाबा कहते हैं कि हम सरकार में आएंगे, तो धारा 370 और तीन तलाक वापस लाएंगे। मैं आपको बताता हूं कि गलती से भी ये राहुल बाबा और अखिलेश सत्ता में आ गए घ्तो ये दोनों शहजादे अयोध्या के राम मंदिर पर बाबरी ताला लगा देंगे। उन्होंने कहा कि अभी–अभी पाकिस्तान ने राहुल बाबा की बड़ी प्रशंसा की है। एक पत्रकार ने मुझसे पूछा कि राहुल बाबा की प्रशंसा पाकिस्तान क्यों कर रहा है? तो मैंने कहा, सर्जिकल स्ट्राइक होती है, राहुल बाबा विरोध करते हैं।

आगरा-अलीगढ़ बाईपास पर दिन-दहाड़े बाइक सवार तीन बदमाशों ने मारपीट कर आलू ब्यापारी से लूट

हाथरस। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा–अलीगढ़ बाईपास पर 8 मई को दिन–दहाड़े बाइक सवार तीन बदमाशों ने मारपीट कर एक आलू व्यापारी से 3.50 लाख रुपये लूट लिए और इत्मीनान से फरार हो गए। लूट की सूचना से पुलिस–प्रशासन में खलबली मच गई। जानकारी होने पर एसपी, एएसपी, सीओ सिटी व कोतवाली हाथरस गेट प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने पीड़ित से घटना के बारे में जानकारी ली।

कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के गांव नगला मोठा निवासी देशदीपक यादव पुत्र डॉ. बच्चू सिंह आलू व्यापारी हैं। वह दो दिन पहले पौरुष कोल्ड स्टोर से आलू लेकर राजस्थान के अलवर बेचने गए थे। वह 8 मई की शाम को चार बजे ही अपने घर आए हुए थे। शाम लगभग सवा पांच बजे वह बाइक से 3.50 लाख रुपये लेकर कोल्ड स्टोर पर देने जा रहे थे। जैसे ही वह राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा–अलीगढ़ बाईपास से नगला कुंवरजी जाने वाले मार्ग पर पहुंचे। तभी अपाचे बाइक पर आए तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनकी बाइक को रोक लिया। बदमाशों ने देश दीपक को पीटना शुरू कर दिया।

बताया जाता है कि बदमाशों ने उन पर किसी धारदार हथियार से हमला किया और रुपयों से भरा थैला लूट लिया। बदमाश दिन–दहाड़े इस वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पीड़ित ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस–प्रशासन में खलबली मच गई। कोतवाली हाथरस गेट प्रभारी सतेंद्र सिंह पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए। एसपी निपुण अग्रवाल, एएसपी अशोक कुमार व सीओ सिटी राम प्रवेश राय ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों व पीड़ित से बातचीत कर घटना की जानकारी ली।

देर रात तक पुलिस टीम पीड़ित व्यापारी से पूछताछ कर घटना की जानकारी में जुटी रही।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

हाथरस। कोतवाली चंदपा क्षेत्र के गांव खेरिया ढ़हर निवासी चौकीदार अपने घर पर बिजली का कुछ कार्य कर रहे थे। इस बीच करंट चपेट में आ गए। मौके पर ही उनरी मौत हो गई।

चौकीदार घर पर बिजली का काम कर रहा था। अचानक करंट आ गया। चौकीदार करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जिससे परिवार में मातम छा गया।

कोतवाली चंदपा क्षेत्र के गांव खेरिया ढ़हर निवासी 55 वर्षीय मान सिंह कोतवाली चंदपा में चौकीदार थे। 8 मई दोपहर को वह अपने घर पर बिजली का कुछ कार्य कर रहे थे। इस बीच करंट चपेट में आ गए। मौके पर ही उनरी मौत हो गई। चौकीदार की मौत के बाद से परिवार में मातम छाया हुआ है।

चोरी के मोबाइल से अकाउंट से ६९ हजार रुपये ट्रांसफर

अलीगढ। कोतवाली क्षेत्र के गांव बेलौठ निवासी एक व्यक्ति की जेब से पैंठ में मोबाइल पार कर दिया। चोरी के मोबाइल से अकाउंट से 69 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। गांव बेलौठ निवासी प्रेम शंकर शर्मा पुत्र राधेश्याम शर्मा का कहना है कि वह सोमवार को कस्बा में लगने वाली पैंठ में सब्जी खरीदने आए थे। यहां किसी चोर ने उनकी जेब से मोबाइल पार कर दिया। मोबाइल चोर ने उनके अकाउंट से 69 हजार रुपये किसी साबिर खान नाम के व्यक्ति को ट्रांसफर कर दिए हैं। मंगलवार को चुनाव होने के कारण वह थाने नहीं आए। बुधवार को उन्होंने पुलिस को घटना से अवगत कराते हुए प्रार्थना पत्र दिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी पंजीकृत की गई है। जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

व्यक्ति के साथ की मारपीट ,महिला के साथ की छेड़छाड़

अलीगढ। इगलास कोतवाली की चौकी बहादुरपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला का कहना है कि गांव का ही रघुराज सिंह उर्फ रघ्घा दबंग व्यक्ति है। इसके विरुद्ध हत्या के प्रयास का मामला चल रहा है। रघ्घा व इसके बेटे आकाश व दो अन्य लोगों ने पति की एडिट करके असामाजिक वीडियो बनाकर तीन लाख रुपये ऐंठ लिए। बाद में और रुपयों की मांग करने लगे, पुलिस से शिकायत न करने की धमकी देते हैं। इनके डर के कारण पति गांव नहीं जाते हैं। वह अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ खेत पर गई थी तो आरोपितों ने छेड़छाड़ करते हुए धमकी देकर भगा दिया। एक माह पहले आरोपितों के साथ विनोद व उसकी पत्नी मनोज निवासी पला चांद ने षड्यंत्र करके मुरसान में उसका रास्ता रोकने की कोशिश की। पुलिस ने घटना के संबंध में प्राथमिकी पंजीकृत की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव दौलताबाद निवासी नीरज पुत्र थान सिंह का कहना है कि तीन मई की शाम सात बजे खेत से घर लौट रहा था। रास्ते में गांव का ही होडिल सिंह मिला और बोला की खेत पर चल रहे हैं मना करने पर गाली गलौज करने लगा। बाद में होडिल अपने बेटे चंद्रवीर, अभिषेक को लेकर आया और मारपीट की। स्वजन के आने पर धमकी देकर चले गए। पुलिस ने घटना के संबंध में प्राथमिकी पंजीकृत की है।

आग की चपेट में आने से हजारों रुपये कीमत का घरेलू सामान जलकर राख

हाथरस। कोतवाली चंदपा क्षेत्र के गांव कोका स्थित एक घर में बुधवार को अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। आग की चपेट में आने से हजारों रुपये कीमत का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आग पड़ोसी के एक मकान तक भी पहुंच गई। आग की चपेट में आने से पड़ोसी के घेर में बंधी भैंस भी झुलस गई। ग्रामीणों ने आसपास लगी सबमर्सिबल की मदद से आग को बुझाया।

कोतवाली चंदपा क्षेत्र के गांव कोका निवासी आसिफ पुत्र शरीफ के घर में बुधवार की दोपहर को अचानक आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि चंद मिनटों ने आग की लपटों ने घर में रखे सभी घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से कूलर, फ्रिज, अलमारी आदि सामान जलकर पूरी तरह राख हो गए।

आग की लपटें पड़ोस में रहने वाले बंगाली पुत्र रामस्वरूप के घेर तक पहुंच गईं, जिससे आग की चपेट में आने से बंगाली की भैंस भी झुलस गई। गांव में अफरा–तफरी मच गई। मौके काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने आसपास लगी सबमर्सिबल पंप को चलाकर आग को बुझाया। आग से हजारों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

लखनऊ जा रहे ट्रक से बीयर की बोतले चोरी

हाथरस। थाना क्षेत्र के नगला बबूल गांव में मंगलवार की रात बीयर की पेटियां से भरे ट्रक से चोर चालीस पेटी बीयर चुराकर ले गए। उधर देर शाम तक हरदुआगंज और अकराबाद थाना क्षेत्र में सीमा विवाद को लेकर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी।

दिल्ली गाजियाबाद बॉर्डर स्थित एक कंपनी से बीयर की 700 पेटियां लादकर एक ट्रक लखनऊ के लिए निकला। चालक विशाल निवासी गांव नगला बबूल थाना हरदुआगंज मंगलवार की रात करीब सवा दस बजे पिलखना चौकी से कुछ पहले ट्रक को खड़ा किया। इसके डेढ़ घंटे बाद गांव में अपनी गली के निकट ट्रक खड़ा कर सो गया।

बुधवार की सुबह देखा पीछे का तिरपाल फटा था और लगभग सवा लाख कीमत की 49 पेटी बीयर चोरी हो चुकी थी। देर शाम तक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी सुरेंद्र शर्मा और ट्रक स्वामी सोनू सिंह थाने में मौजूद रहे। थाना प्रभारी रवि चंद्रवाल ने बताया कि ट्रांसपोर्टर की ट्रक चालक के परिजनों से बातचीत चल रही है। वैसे भी मामला सरकारी है, ऐसे में आबकारी निरीक्षक की ओर से ही मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादक: अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com

समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी. आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
विभा प्रिंटर्स
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

एम0एल0डी0वी0 पब्लिक इण्टर कालेज, हाथरस में पर्यावरण संरक्षण हेतु किया गया भव्य आयोजन

छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के प्रति किया गया जागरूक

(भव्य प्रभात)

हाथरस। श्याम कुंज स्थित एम0एल0डी0वी0 पब्लिक इण्टर कालेज में प्रदूषण के विरूद्व छात्र–छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से पर्यावरण–संरक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित डी0आर0वी0 इण्टर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य व संस्था के डायरेक्टर स्वतंत्र कुमार गुप्त ने बतलाया कि आज के भौतिकवादी युग में प्रकृति को कमजोर करते हुये बहुमंजली इमारतें, कल–कारखानों से निकला हुआ कचरा एवं प्रदूषण के साथ मन के प्रदूषण ने सम्पूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है। ऐसी स्थिति में शिक्षण संस्थाओं का यह दायित्व है कि वह पर्यावरण की अलख जगाते हुये बालक–बालिकाओं में इस प्रकार की सोच जाग्रत करें, जिसके संरक्षण में स्वच्छ भारत मिशन की परिकल्पना जीवंत रूप ले सके। उन्होंने कहा कि–'बीते हुये उदास समय को वातावरण नहीं मिलता है, इसीलिए हर हँसता चेहरा दिल में दर्द लिये फिरता है'।

इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर स्वतंत्र कुमार गुप्त ने कालेज के प्रतिभाशील छात्र–छात्राओं वंशिका, सौम्या, कीर्ति, रवि, अनस, अंशिका, साक्षी, दिव्यांशी, आर्या, गौरव, आदित्य, उज्ज्वल, दिव्यांशु, तुषार, पुष्पित, गौतम, पावनी, वैष्णवी, राधिका, पायल, देव, अनुज, जतिन, गर्व, अक्षत, प्रयांशु, अभिनय, हैप्पी, कुनाल, ऋषम, कृष्णा, गोलू, मोहित, शिवम, दर्श, पार्थ, शौर्य, देवांश, प्रियांशु, निशान्त, अविरल, युग एवं उनके प्रशिक्षक जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट रवेन्द्र कुमार शर्मा, ललिता पाठक, निधि शर्मा, कृष्णकान्त शास्त्री एवं राजेन्द्र प्रसाद को तुलसी के गमले भेंट करते हुये कहा कि पर्यावरण संरक्षण में तुलसी का सर्वाधिक योगदान है, क्योंकि वह रात–दिन हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हुये दूषित जलवायु को शुद्ध करते हुये जटिलतम रोगों का निवारण करती है। अंत में प्रधानाचार्या पूनम वार्ष्णेय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों का किया आकास्मिक निरीक्षण

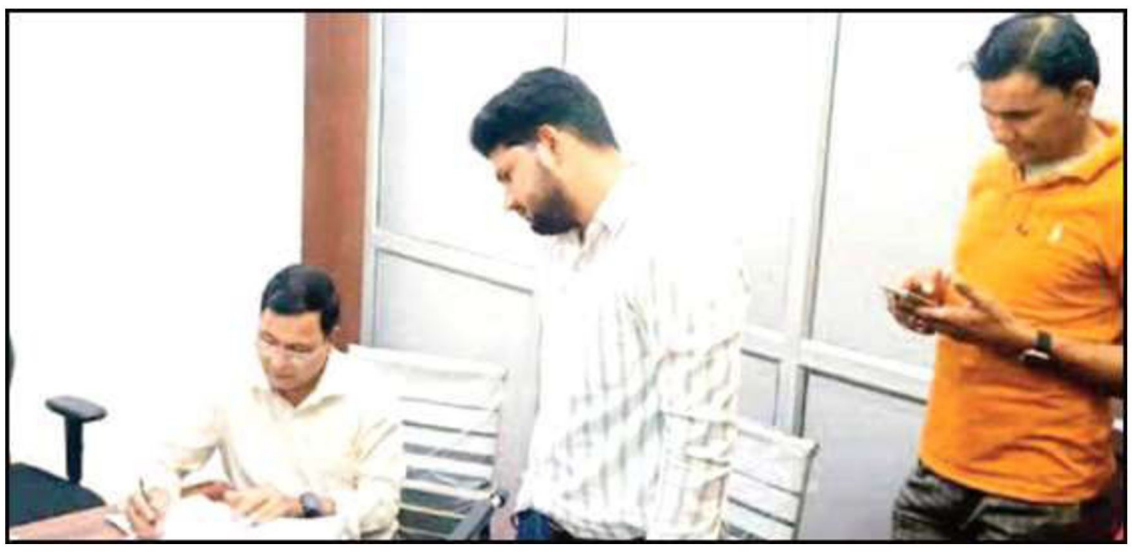

(भव्य प्रभात)

हाथरस। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी डा नरेश गोयल द्वारा अल्ट्रासाउंड केंद्रों का गुरूवार को आकास्मिक निरीक्षण किये जाने से हडकंप मच गया था। डॉ नरेश गोयल ने मैडू रोड स्थित फोकस अल्ट्रासाउंड केंद्र निरीक्षण किया। वहा पर डा विकास शर्मा अल्ट्रा साउंड करते हुए मिले थे। जांब के दौरान सभी अभिलेख सही पाए गए।

गेंडू स्थित एसके अल्ट्रा साउंड पर जम निरीक्षण किया तो अल्ट्रासोनोजिस्ट उपस्थित नहीं थे। केंद्र संबालक ने बताया कि आज अवकाश पर है। हाथरस जंक्शन के मान्या अल्ट्रा साउंड पर भी कोई भी चिकित्सक उपस्थित नहीं था। उपस्थित स्टाफ द्वारा बताया गया की चिर्चा कत्सक अगी अभी खाना खाने गए हैं। सिकंदराराऊ का सिटी अल्ट्रा साउंड बंद पड़ा हुआ था सूत्र बताते हे है कि एसीएमओ द्वारा निरीक्षण की जानकारी होते ही संचालक सेंटर को बंद करके चले गये थे। सिकंदराराऊ के ही रचित अल्ट्रासाउंड केंद्र पर डा वी पी सिंह कार्य करते हुए पाए गए। सभी अल्ट्रा. साउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण कर चिकित्सक, अभिलेख व मशीनों की जांच की गयी थी

घंटों इंतजार करते रहे मरीज नही आये डाक्टर

(भव्य प्रभात)

हाथरस। मुरसान में स्वास्थ्य सेवाएं बेहद लचर हैं। जिले में न पर्याप्त चिकित्सक हैं और न ही संसाधन। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरसान पर ओपीडी खोलने के बाद कई घंटे तक कोई डॉक्टर नहीं बैठा। इसकी वजह से काफी मरीज बिना उपचार के वहां से चले गए और काफी मरीज घंटों इंतजार करते रहे। मुरसान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है और वहां शाम तक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी के अलावा दो अन्य डॉक्टरों की भी तैनाती है। इस समय भीषण गर्मी में लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हैं और अपना उपचार करने के लिए काफी तादाद में सरकारी अस्पतालों में जा रहे हैं। मुरसान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आज सुबह ओपीडी खुलने से पहले ही मरीजों की भीड़ लग गई लेकिन वहां कोई चिकित्सक ही मौजूद नहीं था। बाद में जरूर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी वहां पहुंचे और उन्होंने कुछ मरीजों का इलाज किया। एक मरीज शकुंतला का कहना था कि वह कई घंटे से यहां बैठी है लेकिन यहां कोई डॉक्टर ही नहीं है। एक अन्य मरीज अशर्फी का भी यही कहना था कि उसे दवा लेनी है और चिकित्सक को दिखाना है लेकिन यहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है। अब या तो हाथरस जाना पड़ेगा या फिर किसी प्राइवेट अस्पताल में। इस मामले में सीएमओ डॉ. मंजीत सिंह का कहना था कि उन्हें इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। वैसे चिकित्सक पहुँचे होंगे।

सासनी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बिजली घर के निकट युवक को मारी गोली

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बिजली घर के निकट कुछ लोगों ने एक युवक को गोली मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। में जुटी है। सासनी के मोहल्ला पुत्र नरोत्तम का देर रात कुछ लोगों विवाद हो गया। इसी विवाद में गंभीर रूप से घायल कर दिया। अफरा तफरी का माहौल हो गया। लिए सासनी के सामुदायिक स्वास्थ्य

उपचार के लिए पहले सासनी के गया और फिर गंभीर हालत में पुलिस मामले की जांच पड़ताल बिजलीघर निवासी एक युवक महेंद्र से आपस में कहासुनी के बाद आरोपियों ने उसे गोली मारकर फायरिंग की आवाज होने पर वहां कुछ लोग घायल को उपचार के केंद्र लेकर आए। वहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी। पुलिस भी पूरे मामले की छानबीन जुटी है। बताते हैं कि हमलावरों का घायल युवक महेंद्र से पहले से विवाह चल रहा था और इसी विवाद को लेकर उसके गोली मार दी। घायल अलीगढ़ के मेडिकल कॉलेज में भर्ती है।

श्रीमदभागवत कथा में गोवर्धन लीला का मधुर वर्णन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। वैसाख मास के उपलक्ष में अलीगढ़ आगरा राजमार्ग स्थित प्राचीन नवग्रह मंदिर के पीछे रामेश्वर धाम बगीची पर चल रही श्रीमदभागवत कथा में कथा प्रवक्ता परम पूज्य विष्णु दत्त मिश्रा (सरस) ने कथा के दौरान अति सुन्दर गोवर्धन लीला का मधुर वर्णन किया। व्यास जी ने कहा कि देवताओ के राजा इंद्र का अहंकार खत्म करने के लिए सात वर्ष के कन्हैया ने अपनी कन्नी उंगली पर सात कोष का पर्वत ब्रजवासियों की रक्षा के लिए उठा लिया। गोवर्धन लीला सुन उपस्थित श्रद्वालुजन मंत्र मुग्ध हो गये। कथा पंडाल गिर्राज बाबा के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर विशेष रूप से नगर के विद्वान पं० कैलाश नाथ मिश्र द्वारा गिर्राज महाराज के आलोकिक श्रृंगार कर छप्पन भोग के दर्शन भी कथा के आयोजकों ने भव्यता से कराये। दर्शन की एक झलक पाने को भक्तों में होड़ दिखी। साथ ही खीरपूड़ी, मालपुआ के अलावा अनेको व्यजनों का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। कथा में मुख्य रूप से श्रीनिवास, रतन लाल, राकेश, कुंती देवी, विनीता, श्वेता, शिप्रा, सीमा, निधि, कमलेश, पं० पुरुषोत्तम देव मिश्र, आचार्य पं० रमेश मिश्र, ज्ञान चौधरी, रिषी, नरेन्द्र, योगेश, अजय, मुकेश, प्रदीप, पं० मोहित शास्त्री, पं० आदित्य शर्मा, पं० अमित मिश्र, आदि श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

16 अंकों के बावजूद राजस्थान नहीं कर पाई प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई

नई दिल्ली। मौजूदा समय में कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2024 की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी है। टीम के खाते में 16 अंक हैं और उनका नेट रनरेट 1.453 का है। केकेआर लगभग प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। आईपीएल 2024 के 56 मुकाबले खेले जा चुके हैं, लेकिन अब तक किसी भी टीम में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं किया है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के साथ अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर अपनी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। मंगलवार को आईपीएल 2024 का 56वां मैच दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में पंत की टीम ने 20 रनों से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मिली हार के बाद भी राजस्थान की टीम अंक तालिका में दूसरे पायदान पर बनी हुई है। टीम के खाते में 16 अंक और 0.476 नेट रनरेट है। हालांकि, अब तक राजस्थान प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है लेकिन टीम के प्लेऑफ में पहुंचने के चांस प्रबल हैं। संजू सैमसन की टीम को अभी तीन मुकाबले और खेलने हैं। केकेआर शीर्ष पर मौजूदा समय में कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2024 की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी है। टीम के खाते में 16 अंक हैं और उनका नेट रनरेट 1.453 का है। केकेआर लगभग प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। टीम को अभी तीन मैच और खेलने हैं। 11 मई को टीम मुंबई से भिड़ेगी जबकि 13 और 19 मई को टीम का सामना क्रमशरू गुजरात और राजस्थान से होगा। अंक तालिका में तीसरे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स है जिसने 11 मैचों में से छह में जीत का स्वाद चखा है। वहीं, टीम को पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। फिलहाल सीएसके के खाते में 12 अंक हैं और नेटरनेट 0.700 का है। हैदराबाद की टीम 12 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है। दिल्ली ने बढ़ाई टेंशन राजस्थान के अभी तीन मैच बाकी हैं और उसका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय है। हालांकि, दिल्ली ने जीत के साथ लखनऊ, हैदराबाद और सीएसके की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इन तीन टीमों के पहले से ही 12 अंक थे लेकिन अब पंत की टीम के भी 12 अंक हो गए हैं। इससे सबसे ज्यादा दिक्कत लखनऊ को होती दिख रही है क्योंकि टीम फिलहाल छठे स्थान पर है। रद्द हुआ मैच तो किसे मिलेगा फायदा? बुधवार को आईपीएल का 57वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच हैदराबाद में खेला जाएगा।

आईपीएल की अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
कोलकाता नाइट राइडर्स	11	08	03	16	+1.453
राजस्थान रॉयल्स	11	08	03	16	+0.476
चेन्नई सुपर किंग्स	11	06	05	12	+0.700
सनराइजर्स हैदराबाद	11	06	05	12	-0.065
दिल्ली कैपिटल्स	12	06	06	12	-0.316
लखनऊ सुपर जाएंट्स	11	06	05	12	-0.371
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	04	07	08	-0.049
पंजाब किंग्स	11	04	07	08	-0.187
मुंबई इंडियंस	12	04	08	08	-0.212
गुजरात टाइटंस	11	04	07	08	-1.320

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

ओलंपिक और विश्व चौंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में होने वाले राष्ट्रीय फेडरेशन कप में भाग लेने की पुष्टि की है। ये पहला मौका होगा जब वह तीन साल में पहली बार किसी घरेलू प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। 26 वर्षीय स्टार खिलाड़ी के 10 मई को प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा में होने वाले पहले चरण में अपने सत्र की शुरुआत करने के बाद भारत आने की संभावना है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, प्रविष्टियों के अनुसार नीरज चोपड़ा और किशोर कुमार जेना भुवनेश्वर में 12 मई से शुरू होने वाली घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। चोपड़ा के कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज ने भी पीटीआई से पुष्टि की कि यह स्टार एथलीट भुवनेश्वर में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगा। हांगझोउ एशियाई खेलों में चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीतने वाले 28 वर्षीय किशोर जेना भी 10 मई को दोहा डायमंड लीग में भाग लेंगे। चोपड़ा ने इससे पहले आखिरी बार घरेलू प्रतियोगिता में 17 मार्च 2021 को भाग लिया था और तब उन्होंने 87.80 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2022 में डायमंड लीग और 2023 में विश्व चौंपियन बने। उन्होंने चीन में एशियाई खेलों में अपने खिताब का भी बचाव किया था। चोपड़ा ने इस बीच डायमंड लीग के तीन व्यक्तिगत चरण भी जीते और 2022 में विश्व चौंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। यह भारतीय खिलाड़ी हालांकि अभी तक 90 मीटर की दूरी को छूने में नाकाम रहा है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

महान फुटबॉलर माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी की नीलामी

महान फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी फिर से सामने आ गयी है। अगुटेस हाउस ने कहा कि दशकों से गायब इस पुरस्कार की अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए इस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। माराडोना मेक्सिको सिटी में फाइनल में पश्चिम जर्मनी पर 3–2 की जीत के दौरान अर्जेंटीना की कप्तानी की। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड पर 2–1 की जीत में विवादास्पद 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 'सदी का सर्वश्रेष्ठ' गोल किया था। नीलामी घर ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ट्रॉफी अपनी विशिष्टता के कारण लाखों यूरो में बिकेगी। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। हालांकि बाद में यह ट्रॉफी गायब हो गई जिसने काफी अफवाहों को जन्म दिया। अगुटेस ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि यह एक पोकर मैच के दौरान खो गई थी या कर्ज चुकाने के लिए इसे बेच दिया गया था। अन्य लोगों का कहना है कि माराडोना जब इटैलियन लीग में खेल रहे थे तो उन्होंने इसे नेपल्स बैंक की एक तिजोरी में रखा था जिसे 1989 में स्थानीय अपराधियों ने लूट लिया था। सुधरकर मुख्यधारा से जुड़ने वाले माफिया के एक सदस्य द्वारा बताई गई कहानी के अनुसार ट्रॉफी को पिघलाकर सोना निकाल लिया गया था।

इगोर स्टिमक ने भुवनेश्वर शिविर के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

भारतीय सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की। पहली सूची शनिवार को जारी की गई थी।

मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में 17 आवासीय परियोजनाएं करेगी पेश

नयी दिल्ली। मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष 2024–25 में 17 आवासीय परियोजनाएं शुरू करेगी, जिनकी राजस्व क्षमता 12,000 करोड़ रुपए होगी। इससे कंपनी की बिक्री बुकिंग को बढ़ावा मिलेगा, जो 2023–24 में मजबूत मांग के दम पर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। निवेशकों के अनुसार, लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स 2024–25 में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे तथा बेंगलुरु में 10 नई परियोजनाएं और मौजूदा आवासीय परियोजनाओं में सात नए चरण शुरू करेगा।पेश किए जाने वाले कुल क्षेत्रफल का अनुमान 1.01 करोड़ वर्ग फुट है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 12,100 करोड़ रुपए है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि इस वित्त वर्ष में पेश होने वाली परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शन बढ़ सकता है, क्योंकि वह अधिक भूमि अधिग्रहण कर सकती है और इसी वित्त वर्ष में पेश करने में सक्षम हो सकती है। भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक मैक्रोटेक डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष में 17,500 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति बेचने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। इसने अपनी बिक्री बुकिंग (जिसे प्री–सेल्स भी कहा जाता है) में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपए हो गई जो 2022–23 में 12,060 करोड़ रुपए थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि कंपनी ने 2024–25 में 10,000 से अधिक अपार्टमेंट वितरित करने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा करीब 8,200 इकाई था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कंपनी ने मजबूत आवासीय मांग के बीच पूर्व–बिक्री, नई भूमि अधिग्रहण और ऋण में कमी से संबंधित 2023–24 के अपने सभी प्रमुख लक्ष्यों को हासिल कर लिया है। लोढ़ा ने कहा कि कंपनी भविष्य में विकास के लिए और अधिक भूमि खरीदेगी ताकि ''सुसंगत और पूर्वानुमानित वृद्धि दर को कायम रखा जा सके। उन्होंने कहा, ''हमारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही और वार्षिक प्रदर्शन, ब्रांडेड डेवलपर्स की ओर से भारत में उच्च गुणवत्ता वाले मकानों की मांग में तेजी को दर्शाता है।

तीसरे नंबर पर उतरें, भारत और वेस्टइंडीज का फाइनल चाहते हैं

नयी दिल्ली । अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में भारत, वेस्टइंडीज के बीच फाइनल की ख्वाहिश जताते हुए महान क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा है कि सूर्यकुमार यादव को भारत के लिये तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिये। लारा ने यह भी कहा कि विश्व कप में भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल होने से 2007 में हुई गलती की भरपाई हो जायेगी जब वेस्टइंडीज में हुए वनडे विश्व कप में भारत के जल्दी बाहर होने से मेजबान को काफी खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को टीम में रखा है जबकि शुभमन गिल और रिंकू सिंह जैसे युवा रिजर्व में हैं। सूर्यकुमार मुख्य टीम में है। लारा ने यहां स्टार स्पोर्टर्स द्वारा पीटीआई संपादकों से कराये गए संवाद में कहा,'' मेरी सलाह यह होगी कि सूर्यकुमार यादव को तीसरे नंबर पर उतारा जाये। वह टी20 क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में से है। अगर आप सर विव जैसे खिलाड़ियों से बात करें तो वह आपको बतायेंगे कि वह कैसे बल्लेबाजी को बेताब रहते थे।'' उनहोंने कहा ,'' मुझे सूर्यकुमार के साथ भी यही लगता है।

लीला सैमसन से मैंने सीखा भरत नाट्यम, घुट्टी में मिला शास्त्रीय नृत्य और संगीत

अदिति राव हैदरी के नाम का मध्य राव उनकी मां विद्या राव से लिया गया है और उनका कुलनाम हैदरी है उनके पिता एहसान हैदरी की विरासत का। हैदरी परिवार हैदराबाद की निजाम रियासत का वफादार रहा और उनसे चार पीढ़ी पहले के अकबर हैदरी हैदराबाद रियासत के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। बचपन में ही अपने मां के साथ दिल्ली आ गईं अदिति ने 'दिल्ली 6', 'रॉकस्टार', 'वजीर', 'फितूर' और 'दास देव' जैसी तमाम हिंदी फिल्मों में काम किया है, लेकिन उनकी असल धमक हिंदी सिनेमा में बनी बीते साल रिलीज हुई वेब सीरीज 'जुबली' से। 'ओटीटी स्टार्स 2023' की लिस्ट में नंबर वन रहीं अदिति से 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल की खास बातचीत।

'जुबली' की अदाकारा अब 'हीरामंडी' की फनकारा बन गई है! गाने भी वह गा रही है। कंपनियां उसका विनाइल रिकॉर्ड निकालने को बेताब हैं। कहानियां दोनों अतीत की हैं, कितना चुनौती भरा रहा इन दो पीरियड कहानियों में काम करना?

उसी में तो मजा है। दोनों पीरियड फिल्म जैसी कहानियां हैं लेकिन दोनों का कालखंड अलग है और दोनों की कहानियां बिल्कुल अलग हैं। मुझे ये अनुभव बिल्कुल सपनों में घूमने वाले चित्रों (सरियल) जैसा लगा। आप तो जानते ही हैं कि 'जुबली' के निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने सिनेमा संजय लीला भंसाली की शागिर्दी में सीखा है। वह संजय सर के सहायक रहे हैं।

और, ये रहे साल 2023 के ओटीटी के 13 दमकते सितारे, अदिति राव हैदरी बनीं स्टार नंबर वन

और, 'हीरामंडी' की शूटिंग आपने ठीक 'जुबली' के बाद शुरू कर दी?

हां, मैं सीधा 'जुबली' के बाद 'हीरामंडी' के सेट पर आई। हालांकि, मैंने संजय सर के साथ पहले काम (फिल्म 'पद्मावत' में मेहरुन्निसा का किरदार) किया है, लेकिन उनके सेट पर हर दिन एक अलग ही तिलिस्माई दिन होता है। मेरे हिसाब से उन्होंने 'हीरामंडी' में मेरा बिब्बो जान का जो किरदार लिखा है। वह अपने आप में बहुत बेहतरीन है।

कुछ बताना चाहेंगी अपने किरदार के बारे में?

अभी जब आप मनीषा (कोइराला) मैम से बात कर रहे थे फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' के बारे में तो मैं सोच रही थी कि अरे, ये जो बागी का नैरेटिव है, ये तो वहीं से शुरू हुआ लगता है। लेकिन, ये बिल्कुल अलग है। क्योंकि, उनका विचार इतना अलग है। बिब्बो जान का किरदार नाचने, गाने वाली तवायफ का है और इसे करने में मुझे बेहद आनंद इसलिए भी आया कि मैं संगीत और नृत्य के माहौल में ही बड़ी हुई हैं।

जी हां, मैं अगर अपने बचपन की बात करूं तो मैं अपने चारों तरफ तमाम तरह के कलाकारों और फनकारों को पाती हूं। मेरी मां (विद्या राव) ने हिंदुस्तानी म्यूजिक सीखा। वह आज भी ठुमरी दादरा गाती हैं। नैना देवी की शागिर्द रही हैं। उन्होंने फोर्ड फाउंडेशन से मिले अनुदान पर तवायफों पर शोध ा किया हैं। बचपन में मैंने महाराजजी को गाते हुए देखा और महसूस किया है। और, भी तमाम शास्त्रीय संगीतकारों से मेरा ताल्लुक रहा है।

शास्त्रीय नृत्य तो आपने भी सीखा है?

जी हां, मेरी गुरु लीला सैमसन थीं। मैं शास्त्रीय संगीत और शास्त्रीय नृत्य के माहौल में पली बढ़ी हूं। और, संजय लीला भंसाली की किसी फिल्म या सीरीज के सेट पर जाना यूं लगता है कि वही माहौल फिर से लौट आया है। यूं लगता है कि वे सारे लोग एक साथ एक फिल्म में मिल रहे हैं।

अब तक जो भी मैंने 'हीरामंडी' के एपिसोड्स में देखा है, उसमें मुझे आप पर फिल्माया गया आखिरी मुजरा 'फुलगेंदवा ना मारो' बेहतरीन लगा..

यह बहुत अविश्वसनीय अनुभव रहा। उसकी भी एक अलग कहानी है। 'हीरामंडी' की शूटिंग हमने मेरे मुजरे से ही शुरू की थी। वह शूटिंग का पहला दिन था। ये वाला मुजरा पहले एपिसोड में आता है। संजय सर 'हीरामंडी' में तवायफों के किरदार कर रहीं हर अभिनेत्री के लिए चुन–चुन के अलग–अलग गाने तैयार किए हैं। तो ये हम सबके लिए एक ऐसा अनुभव रहा है, जिस पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है।

बतौर निर्देशक संजय लीला भंसाली के बारे में आपका क्या मानना है?

संजय सर एक गुरु शिष्य परंपरा के तहत काम करते हैं। देखा जाए तो वह बहुत सारे महान लोगों का एक तरह से मिश्रित अवतार हैं। उनके निर्देशन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह कैमरे क सामने एक कलाकार को खिलने का पूरा मौका देते हैं। हर कलाकार की एक छवि उन्होंने अपने मन में बना रखी होती हैं, और जो उनके सपने होते हैं, इन किरदारो के लिए वे भी आश्चर्यचकित कर जाते हैं। किरदारों की भावनाओं को लेकर उनकी समझ इतनी विशाल है कि उनके सेट पर होना ही मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं था।

एक और बात जो मुझे ये सीरीज देखते समय नजर आई, वह थी आपके चेहरे पर दिखने वाली एक अनोखी चमक। इतना तो कोई युवती सिर्फ प्रेम में ही दमकती है। क्या ये सिद्धार्थ से मोहब्बत का सुरुर माना जाए?

अरे, वह तो संजय सर का आशीर्वाद था मुझ पर। यही मैं कह सकती हूं आपके सवाल के जवाब में। या, मुझे पता नहीं..। लेकिन, थैंक यू, थैंक यू, थैंक यू!

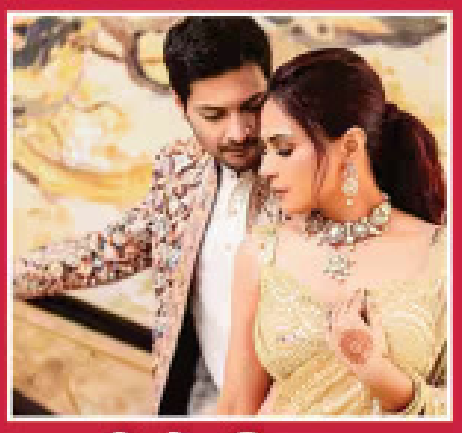

ऋचा को इंप्रेस करने के लिए अली ने खूब बेले थे पापड़

ऋचा चड्ढा ने फरवरी में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। अब खबर है कि वो जुलाई में पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। इन दिनों ऋचा प्रेग्नेंसी के थर्ड ट्रायमेस्टर में हैं और लगातार अपनी सीरीज हीरामंडी का प्रमोशन कर रही हैं। प्रमोशन खत्म होते ही वो अपने बच्चे पर फोकस करेंगी। हाल ही में आई इंडिया टुडे की रिपोर्ट में ऋचा चड्ढा से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है, हीरामंडी का प्रमोशन खत्म करने के बाद ऋचा चड्ढा थर्ड ट्रायमेस्टर में अपने आने वाले बच्चे और अपनी हेल्थ पर ध्यान देंगी। वो अपना समय स्क्रिप्ट पढ़ते हुए और प्रोडक्शन लेवल के प्रोजेक्ट पर काम करते हुए बिताने वाली हैं। जुलाई में बच्चे को जन्म देने के बाद वो दोबारा काम पर लौटेंगी। फरवरी में अनाउंस की थी प्रेग्नेंसी फुकरे एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने 4 अक्टूबर 2022 में एक्टर अली फजल से लखनऊ में शादी की थी। शादी के 2 साल बाद इसी साल फरवरी में ऋचा चड्ढा और अली फजल ने अपने फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की थी।

संविधान के रक्षकों और भक्षकों का युद्ध है लोकसभा चुनाव: अखिलेश

शाहजहांपुर,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव संविधान मंथन का चुनाव है जिसमें एक तरफ संविधान की रक्षक इंडिया समूह है तो दूसरी ओर संविधान के भक्षक की भूमिका में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग हैं। श्री यादव ने यहां एक चुनावी जनसभा में कहा " जो लोग संविधान को बदलना चाहते हैं हम उन्हें बदल देंगे एक तरफ संविधान के रक्षक हैं तो दूसरी तरफ संविधान के भक्षक , आप सभी लोगों को संविधान बचाना है।" उन्होने दावा किया कि तीन चरण मे समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनता ने समर्थन देकर सबसे ज्यादा सीटों पर जीतने का फरमान सुना दी है। पहले चरण से जो हवा चली थी, उसने भारतीय जनता पार्टी को पलट दिया और जो झूठ के शहंशाह के खिलाफ मतदान कर करके उनका सफाया करने का काम किया। सपा मुखिया ने कहा "अभी यहां पर कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री भी आकर जा चुके हैं। लखनऊ वाले और दिल्ली वालों ने मिलकर के जो झूठी बातें की हैं जो झूठे आपके वादे किए हैं उनका हिसाब किताब करने का समय आ गया है और पिछले 10 साल का हिसाब किताब निकाले भारतीय जनता पार्टी के लोगों की हर बात झूठी निकलेगी।" उन्होने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों से वादा किया था कि उनकी आय दो गुनी हो जाएगी लेकिन किसान की आय तो क्या फसल की यह सरकार कीमत भी नहीं दिलवा पाई और जब किसान अपने हक की लड़ाई लड़ने दिल्ली गया तो इन बीजेपी वालों ने न जाने कितना अन्याय किया। श्री यादव ने कहा कि जो लोग विश्व गुरु बनना चाहते हैं हम उन्हें कहना चाहते हैं कि जब तक हमारे किसानों की आय नहीं बढ़ेगी एमएसपी नहीं लगेगी तक ना हमारा किसान खुशहाल हो पाएगा ना हमारा देश विकसित बन पाएगा इसलिए हम अपने किसानों को भरोसा दिला कर जा रहे हैं समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन ने तय किया है आने वाले समय में सरकार बनेगी और अपने किसानों को लागत की अच्छी कीमत भी देंगे उनकी आय बढ़ेगी और कानूनी अधिकार एसपी का देकर के उनके घर परिवार में खुशहाली लाने का काम करेंगे। उन्होने कहा कि यह सरकार बड़े–बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर चुकी है इस सरकार ने 10 साल में 16 लाख करोड़ के उद्योगपतियों के कर्ज माफ कर दिए लेकिन हमारे किसानों का कर्ज नहीं माफ किया जिस समय सरकार बैंकों का कर्ज माफ कर रही थी उस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने नियम बनाया कि जिन लोगों ने 5 करोड़ से ऊपर का बैंकों से कर्ज लिया है उन्हें का कर्ज माफ होगा इसलिए बड़े–बड़े लोगों का तो कर्ज माफ हो गया लेकिन हमारे किसान और गांव में रहने वाले गरीब जो लाखों में कर्ज लेते हैं उनका कर्ज माफ नहीं हुआ। श्री यादव ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार ने नौजवानों का भी भविष्य छीन लिया यहां नौजवान हमें दिखाई दे रहे हैं यह तमाम वह नौजवान है जो निराश हो गए सरकार से जब नौकरी के लिए इन्होंने परीक्षा का फॉर्म भरा परीक्षा देने गए तो इनका पेपर लिख कर दिया सरकार ने उनके हाथ में ना रोजगार है ना नौकरी है और यह देश की पहली सरकार है न जाने कहां से लीक हो रहे पेपर लीकेज नहीं रोक पा रहे हैं । उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीत रहे हैं पीडिए इंडिया गठबंधन चुनाव जीत रहा है इसीलिए पहले डबल इंजन की सरकार बताई जाती थी अब जो होर्डिंग लगाए गए हैं उनमें केवल एक ही इंजन रह गया है।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन में एक युवती ने संदिग्ध हालत में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव को यमुना में प्रवाहित कर दिया। परिवार के एक युवक से मृतक युवती के परिजनों से विवाद हो गया। युवती के परिजनों ने युवक को पीट दिया। शिकायत लेकर पीड़ित युवक पुलिस के पास पहुंचा। पूरी घटना की जानकारी दी। इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने यमुना में प्रवाहित किए गए युवती के शव की तलाश शुरू कर दी। साथ ही युवक के साथ मारपीट करने वाले परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। घटना कुठौंद थाना कस्बे की है। यहां कुठौंद कस्बे की रहने वाली युवती कम्मो उर्फ मनोरमा (21) पुत्री चंद्रकुवर ने मंगलवार को संदिग्ध हालत में कमरा बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की मौत के बाद परिजनों ने बिजुआपुर गांव के पास से निकली यमुना नदी में युवती का अंतिम संस्कार करते हुए शव को प्रभावित कर दिया। मंगलवार को युवती के परिजन घर पर मौजूद थे। इसी दौरान चंद्रकुंवर को शक हुआ उसके छोटी बेटी से उसके परिवार का युवक गुलशन पुत्र ब्रज किशोर बात करता है। इस पर मृतक युवती के परिजनों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक को बुरी तरह घायल हो गया। उसने जान बचाई और थाने पहुंचा। पुलिस के सामने जैसे ही युवती की मौत और युवक की पिटाई का मामला सामने आया, पुलिस ने गुलशन के प्रार्थना पत्र पर मृतक युवती के परिजनों से पूछताछ कर यमुना नदी पर पहुंचे। युवती के शव की तलाश शुरू कर दी। कुठौंद थाने के थानाध्यक्ष केपी सरोज ने बताया कि कस्बे में युवती की संदिग्ध मौत हुई थी। शव की तलाश की जा रही है। युवक की शिकायत पर मारपीट करने वालों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

किशोरी से रेप के आरोपी को 20 साल की कैद

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन में 4 साल पहले घर में गेहूं पीस रही एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ गांव में रहने वाले एक युवक ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में न्यायालय पॉक्सो एक्ट के न्यायाधीश ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर युवक को दोषी मानते हुए 20 साल कारावास की सजा सुनाई है। 72 हजार का जुर्माना लगाया। इस मामले की पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ता बृजराज सिंह राजपूत ने बताया कि कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में 31 दिसंबर 2020 को शाम 4 बजे के करीब 16 वर्षीय किशोरी घर पर गेहूं पीस रही थी, तभी गांव का रहने वाला पीयूष कुमार उर्फ भानु प्रताप पुत्र देव सिंह घर के अंदर घुस आया और पीड़िता को अकेले देखकर उसको पकड़ लिया। उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के शोर मचाने पर रेप की वारदात को अंजाम देने वाला युवक मौके से भाग गया। इस वारदात की जानकारी किशोरी ने घर आने पर परिजनों को दी, जिस पर किशोरी के भाई ने पुलिस को इस बारे में अवगत कराया, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बाद में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई, जिसकी सुनवाई न्यायालय पॉक्सो एक्ट के न्यायाधीश मोहम्मद कमर की अदालत में हुई। जिसमें दोनों पशुओं की तरफ से अधिवक्ताओं द्वारा बहस की गई, जिसमें साक्ष्य और गवाहों के आधार पर पीयूष उर्फ भानु प्रताप को न्यायालय ने दोषी मानते हुए 20 साल की सजा और 72 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

रेलवे स्टेशन के बाहर ई-रिक्शा चालकों की अराजकता

उरई/जालौन, (यूएनएस)। रेलवे स्टेशन के बाहर ई–रिक्शा चालकों की अराजकता की वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। जाम में फंसने की वजह से कई बार यात्रियों की गाड़ी तक छूट जाती है। उरई स्टेशन पर कई ट्रेनों का ठहराव सिर्फ दो मिनट का है, इस दौरान स्टेशन गेट पर लगे जाम की वजह से लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। शहर के स्टेशन रोड पर ई–रिक्शा चालकों की बढ़ती अराजकता अब लोगों के लिए बड़ी समस्या बनने लगी है। जगह–जगह दुकानों के आगे सड़क पर खड़े ई–रिक्शा चालक किसी भी वाहन को नहीं निकलने देते हैं। करीब 100 मीटर आसपास के क्षेत्रफल को घेरे रहते हैं। इससे लोगों को दस से पंद्रह मिनट इस रास्ते को पार करने में लगता है। जब कोई जल्दी में ट्रेन पकड़ने के लिए वाहन से आता है तो रास्ता जाम मिलता है।

तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए बनेगा मास्टर प्लान,सैटेलाइट इमेज से होगा सर्वे

नोएडा, (यूएनएस)। गौतमबुद्ध नगर में आगामी 10 साल में ग्राउंड वाटर लेवल की स्थिति खराब हो सकती है। औसतन सालाना डेढ़ से दो मीटर तक वाटर लेवल गिर रहा है। जिससे यहां पीने योग्य पानी नहीं बचेगा। इसलिए अब जनपद में ग्राउंड वाटर बढ़ाने के लिए तालाबों का एक मास्टर प्लान तैयार किया जाए। अतिक्रमित तालाबों की सैटेलाइट इमेज की मदद ली जाएगी। तालाब पहले से ही अतिक्रमित हैं या विकास कार्य में बाधित हुए हैं। उनके स्थान पर 1.25 गुना अधिक तालाब तत्काल बनवाए जाए। ये निर्देश मुख्य विकास अधिकारी ने जिला वेट लैंड समिति के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। देखा जाए तो जनपद गौतमबुद्ध नगर में शुरुआती दौर में 1,018 तालाब थे, जिसमें से 217 के करीब तालाबों पर अतिक्रमण था। जिसमें 67 तालाब नोएडा प्राधिकरण, 281 ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण क्षेत्र और 277 तालाब यमुना विकास प्राधिकरण और करीब 361 तालाब ग्राम पंचायत क्षेत्र में है। विगत एक साल में तीनों प्राधिकरण क्षेत्र में कई तालाबों का जीर्णोद्धार कराया गया। अब जनपद सभी 1018 तालाबों को जीर्णोद्धार कराया जाएगा।बतौर इसके लिए नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में शहरी एवं ग्रामीण गंगा समिति का गठन करेंगे। इसके बाद सैटलाइट इमेज से तालाबों की एक रिपोर्ट बनाएंगे।इसके अनुसार इन तालाबों को पुर्नद्धार कैसे किया जाए, ऐसे तालाब जो विकास परियोजनाओं के कारण समाप्त हो गए। उनके स्थान पर कहां पर तालाब बनाए जाए। इसकी पूरी जानकारी के साथ एक प्लान बनाएंगे।नोएडा के बड़े पार्कों में पुष्करिणी तालाब बनाए जाएंगे। इन तालाबों में सीढ़ियों से होते हुए पानी एक ग्राउंड पर एकत्रित होता है और वहां से ग्राउंड के अंदर चला जाता है। ये तालाब ग्राउंड वाटर लेवल को बढ़ाने में कारगर है।नोएडा में सेक्टर–62 , सेक्टर–14ए पार्क इसके अलावा प्रस्तावित पार्क जिसमें सेक्टर–112 राम वन गमन पथ पार्क , सेक्टर–145 में वीर रथ पार्क , सेक्टर–94 में जापानी पार्क।

दिनेश का प्रताप और मोदी का मान बढ़ायेंगे देश के पचीस लाख इलेक्ट्रोहोमियोपैथी परिवारः डा0 आनन्द सिन्हा

रायबरेली। सिन्हा इलेक्ट्रोहोमियो अनुसंधान केन्द्र गाजियाबाद के निदेशक डा0 के.पी. सिन्हा एवं उप निदेशक डा0 प्रभात सिन्हा के कुशल दिशा–निर्देशन में पूरे देश के सभी इलेक्ट्रोहोमियो चिकित्सक एवं चिकित्सक परिवार से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट देने की अपील की गयी, जिसका कारण देश के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के सरकार में इलेक्ट्रोहोमियोपैथी पद्धति से कैंसर जैसे रोग पर सफल इलाज के कारण दिल्ली एम्स और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कैंसर झझर, हरियाणा के साथ मिलकर कार्य करने के प्रस्ताव को डिपार्टमेन्ट आफ बायो टेक्नोलाजी में प्रस्तावित किया गया है, जो कि एप्रूवड हो चुका है, जिससे लाखो इलेक्ट्रोहोम्योपैथ चिकित्सकों का भविष्य उज्जवल हो जायेगा और सम्पूर्ण विश्व में इलेक्ट्रोहोम्योपैथी स्वास्थ्य महकमे की रीढ़ बन जायेगी और प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की सोच कि भारत विश्वगुरू बनेगा, इसका नजीर इलेक्ट्रोहोम्योपैथी बनेगी। नेशनल कोआर्डीनेटर (सेहक) डा0 आनन्द सिन्हा ने बताया कि रायबरेली लोकसभा के प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने इलेक्ट्रोहोम्योपैथी के सम्मान एवं विधान के लिए लगातार वर्ष 2010 से अनेकों सभायें आयोजित करके अपने अन्तिम परिणाम तक तटस्थ रहे, जिसका प्रमाण और परिणाम को नजरन्दाज नहीं किया जा सकता और वह दिन दूर नहीं होगा जब दिल्ली के सदन से सांसद की हैसियत से वह पूरे देश में इलेक्ट्रोहोम्योपैथ चिकित्सकों को धन्यवाद प्रदान करेंगे। श्री सिन्हा ने बताया कि वर्ल्ड कैंसर कांग्रेस 2024 जेएनयू में आयोजित किया गया था, जिसमें 27 देश के चिकित्सक एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे, जिसमें दिल्ली एम्स के रेडीएशन एण्ड एंकालाजिस्ट डा0 जीके रथ एवं दिल्ली एम्स के बायोकेमेस्ट्री के प्रोफेसर डा0 अशोक शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि पचास प्रतिशत कैंसर पर सभी चिकित्सीय पद्धतियों ने मिलकर कार्य किया, शेष पचास प्रतिशत कार्य इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से मिलकर पूर्ण हो सकती है। मोहना लालमणि सिन्हा पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर डा0 आभा सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की हैसियत से कार्य करने वाले पर्यायवरण राज्य मन्त्री अश्वनी कुमार चौबे की प्रेरणा एवं कार्य की प्रशंसा एवं इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की दवाओं के परिणाम से मुरीद होकर के जो कदम उठाये गये हैं, वह वास्तव में एतिहासिक एवं चुनौतीपूर्ण था, लेकिन कर दिखाया।

भव्य प्रभात

सुलगते जंगल

हिमालयी क्षेत्र पूरे देश के मौसम का नियामक है। उत्तराखंड से निकलने वाली गंगा–जमुना जैसी अनेक सदानीरा नदियां देश की जीवनधारा को सींचती हैं। ग्लेशियरों वाले इलाके में जहां जलभंडार हैं, वहीं समृद्ध जैव विविधता भी। ऐसे में गंगा–जमुना के मायके के जंगलों से लगातार आग के समाचार परेशान करते हैं। मई के पहले सप्ताह में ही आग लगने की करीब साढ़े नौ सौ घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। जिसमें करीब बारह हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र को अग्निकांड से नुकसान हुआ । पांच लोगों के मरने की भी खबर है। यूं हर साल उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की खबरें आती हैं। यह सिलसिला मार्च के अंत से शुरू होकर मई तक चलता है। लेकिन इस बार यह संकट ज्यादा गंभीर नजर आ रहा है। कई जनपदों में दृश्यता में कमी आई है। राज्य सरकार के सीमित संसाधनों व भौगोलिक जटिलताओं के चलते वनों का धधकना जारी है। काबू पाने के लिये वायुसेना व एनडीआरएफ की मदद ली जा रही है। यह एक हकीकत है कि जंगलों के धधकने में मानवीय हस्तक्षेप कहीं न कहीं जरूर होता है। माना जंगलों में गिरने वाली पत्तियों व घास का समय रहते निस्तारण न होने से ज्वलनशीलता तो होती है, लेकिन आग इंसानी लापरवाही या साजिश से ही लगती है। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि नवंबर 2023 से अब तक करीब पौने चार सौ वन अपराधों के मामले पंजीकृत हो चुके हैं। इसमें साठ लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज हो चुकी हैं। इस बात को उत्तराखंड का वन विभाग भी स्वीकार करता है कि 95 फीसदी अग्निकांड के मामलों में मानवीय दखल जिम्मेदार होता है। जिसमें लापरवाही के साथ–साथ इरादतन लगाई गई आग भी शामिल है। इस बार जहां आग लगाने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, वहीं विभाग के लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ भी लापरवाही के चलते कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, अग्निकांडों के बाद कार्रवाई फॉरेस्ट एक्ट व वन्य जीव संरक्षण कानूनों के तहत की जा रही है। इसके अलावा सार्वजनिक व निजी संपत्ति नुकसान क्षतिपूर्ति कानून के तहत भी कार्रवाई होगी। इस संकट को देखते हुए एनडीआरएफ व वायुसेना के हैलिकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। वहीं आईआईटी रुड़की की मदद से कृत्रिम बारिश के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। निश्चित रूप से हर साल जलने वाले सैकड़ों हेक्टयर वनों को आग से बचाने के लिये स्थायी उपायों की जरूरत महसूस की जा रही है। हमें वर्ष 2021 में हुए अग्निकांडों से सबक लेना चाहिए, जब आग लगने की करीब 2813 घटनाओं में करीब चार हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र को क्षति पहुंची थी। अग्निकांडों में आठ लोग मारे गये थे। रोचक तथ्य यह है कि कोविड–19 के दौर में मानवीय आवाजाही कम होने से आग लगने की सबसे कम घटनाएं हुई थीं। दरअसल, सरकारों की प्राथमिकता में पर्यावरण व वन संरक्षण शामिल ही नहीं हो पाया है। वनों के संरक्षण के लिये बजट बहुत कम है और आग बुझाने के पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। पिछले दिनों अग्निकांड की घटनाओं के दौरान वनकर्मियों की ड्यूटी चुनाव के लिये लगाने पर भी सवाल उठे। इसके अलावा एक बात तो तय है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते वातावरण में तापमान बढ़ने से भी आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। हमें बढ़ते तापमान के साथ प्रकृति संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देना होगा। राज्य सरकार को एक सदी से अधिक समय से चली आ रही उस वन पंचायत व्यवस्था को मजबूत करना होगा, जो वन संरक्षण में सदैव सहायक रही है। साथ ही चीड़ के उन पेड़ों के बारे में भी सोचना होगा, जिन्हें अंग्रेज बाहर से लाए थे और उसकी सूखी पत्तियों की आग भड़काने में बड़ी भूमिका होती है। दरअसल, पलायन का दंश झेल रहे उत्तराखंड में कृषि व पशुधन के लिये घास–पात का उपयोग न होने से भी जंगलों में ज्वलनशील स्थितियां बनी हैं। वहीं वन कानून सख्त होने से ग्रामीणों के हितों की अनदेखी के चलते उनकी वनों के प्रति उदासीनता भी बढ़ी है। निस्संदेह, जंगलों की आग वन विभाग ग्रामीणों के सहयोग के बिना नहीं बुझा सकता।

राम भरोसे हिंदू पार्टी

राजेंद्र शर्मा

तीसरे चरण का चुनाव प्रचार थमने के फौरन बाद, प्रधानमंत्री मोदी का अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पहुंचना, न तो अकस्मात था और न संयोग। नरेंद्र मोदी को 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठड्ढा समारोह के बाद, रामलला की याद इसी समय पर क्यों आई, इस पर बेशक अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। लेकिन, इस तथ्य को अनेक प्रेक्षकों ने दर्ज किया है कि आधे से ज्यादा चुनाव का प्रचार खत्म हो जाने के बाद, प्रधानमंत्री का रामलला की शरण जाना सिर्फ आस्था का मामला नजर नहीं आता है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान ही राम नवमी भी निकली है, जो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठड्ढा के बाद पहली ही राम नवमी थी। वास्तव में खुद नरेंद्र मोदी ने, इस राम नवमी के दिन, विशेष रूप से श्राम लला के सूर्यतिलकश के बहाने, इस मौके की जोर–शोर से याद दिलाई थी। वास्तव में उन्होंने उस समय असम में अपनी चुनाव सभा में लोगों से सैलफोन टॉर्च की रौशनी कर के, इस सूर्य तिलक में भागीदारी का हास्यास्पद टोटका भी कराया था। बहरहाल, राम नवमी पर नरेंद्र मोदी अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए नहीं गए। वह अयोध्या पहुंचे तो तीसरे चरण की 93 सीटों के लिए भी प्रचार खत्म हो जाने यानी व्यावहारिक मानों में आधा चुनाव खत्म हो जाने के बाद। जाहिर है कि नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम कोई अचानक नहीं बन गया होगा। इसलिए, इस संभावना को आसानी से नकारा नहीं जा सकता है कि पहले से नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम इस तरह बनाया गया होगा, जिसमें चुनाव के बीचों–बीच मंदिर में अपने साष्टड्ढांग दंडवत और उसके बाद के रोड शो से, वह खासतौर पर मंदिर की प्राणप्रतिष्ठड्ढा और आम तौर पर मंदिर निर्माण के श्रेय के अपने दावे की याद ताजा कर सकें। श्जो लाए हैं राम को, हम उनको लाएंगे के नारों के लिए एक बार फिर मौका बना सकें। लेकिन, अगर वाकई ऐसा हो तब भी, सब कुछ मोदी की स्क्रिप्ट के हिसाब नहीं चल रहा लगता है। इसलिए, असंभव नहीं है कि राम नवमी को मिस करने के बाद, चुनाव के बीचों–बीच मोदी के अयोध्या दौरे की योजना बाद में, कुछ हड़बड़ी में बनाई गई हो। वैसे सब कुछ पूर्व–योजना के ही अनुसार हुआ हो तब भी, मोदी के अयोध्या में ढोग लगाने की अर्जेंसी कितनी बढ़ गई थी, इसका कुछ अंदाजा तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिर तक आते–आते, विपक्ष के खिलाफ हिंदुओं को भड़काने के लिए खुद मोदी और उनकी देखा–देखी अन्य सभी भाजपा नेताओं के, सबसे बढ़कर राम और राम मंदिर की दुहाई का सहारा लेने से लग जाता है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि तीसरे चरण के प्रचार के आखिर तक आते–आते, उनके प्रचार से मोदी की गारंटियां तक गायब हो गई हैं और प्रचार के केंद्र में इसके दावे आ गए हैं कि मोदी और उनके गठजोड़ के विरोधी, राम–विरोधी हैं। उन्होंने प्राण–प्रतिष्ठड्ढा समारोह का आमंत्रण ठुकरा कर राम का अपमान किया था और अब, कांग्रेस से दलबदल करा कर भाजपा में शामिल किए गए, उसके एक–दो प्रवक्ताओं के बयानों के बहाने से यह भी कि विरोधी तो, रामलला के दर्शन करने जाने वालों को दंडित कर रहे हैं। और आदित्यनाथ की एकदम ताजातरीन खोज यह भी कि अगर इंडिया गठबंधन वाले सत्ता में आ गए, तो ये राम मंदिर के निर्माण को ही पलटवा देंगे! हैरानी नहीं होगी कि कल को इससे एक कदम आगे जाकर, वे यह प्रचार करना शुरू दें कि उनके विरोधियों की सरकार आ गई तो, राम मंदिर को तुड़वा कर दोबारा वहां बाबरी मस्जिद बनवा देंगे! किसी से छुपा हुआ नहीं है कि पूरी तरह से राम भरोसे हो जाने की मंजिल तक मोदी की भाजपा का प्रचार अभियान, इस बार का चुनाव जैसे–जैसे आगे बढ़ता गया है, वैसे–वैसे पहुंचा है। अलबत्ता, उसका प्रचार अभियान चुनाव के हरेक चरण के साथ, ज्यादा से ज्यादा राम भरोसे होता गया है। जाहिर है कि पहले चरण के मतदान से पहले तक राम मंदिर बनाने की दुहाई थी जरूर, लेकिन उससे ज्यादा नहीं तो उतना ही शोर मोदी की गारंटियों का और पांच साल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देने से लेकर, 2047 तक विकसित भारत बनाने के दावोंध्वादों का भी था। लेकिन, पहले चरण के मतदान में, 2019 के मुकाबले करीब 6 फीसद की कमी की खबर आते ही (हालांकि चुनाव आयोग ने कई दिन बाद मतदान का आंकड़ा बढ़ाने हुए इस कमी को आधा ही कर दिया) और यह साफ होते ही सब कुछ के बाद भी कम से कम मोदी के हक में इकतरफा वोट नहीं पड़ रहा है बल्कि मोदी का रंग पिछले आम चुनाव के मुकाबले उतार पर ही है, मोदी एंड कंपनी की भाषा बदल गई। अब गारंटियां, वादे वगैरह तो सब पीछे छूट ही गए, राम मंदिर में आस्था–अनास्था की दलीलों को भी नाकाफी मानकर, सीधे–सीधे धार्मिक दुहाई के सांप्रदायिक रूप का सहारा लेकर विपक्ष पर हमला करने का सहारा लिया गया। इस तरह, पहले और दूसरे चरण के बीच के दौर में मोदी पार्टी जोर–शोर से कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र के नाम पर सरासर झूठ बोलते हुए, इसका प्रचार करने में लगी हुई थी कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार आ गई तो, लोगों की संपत्तियों को छीनकर बांट दिया जाएगा। खुद नरेंद्र मोदी ने इसे मंगलसूत्र छीनकर बांट देंगे, घर का गहना–जेवर छीनकर बांट देंगे, नकदी जब्त कर के बांट देंगे, जमीन बांट देंगे और यहां तक कि घर में चार कमरे होंगे तो दो कमरे छीन बांट देंगे, दो भैंसें होंगी तो एक भैंस छीनकर बांट देंगे के हास्यास्पद स्तर तक पहुंचा दिया। लेकिन, भीषण गरीबी और बदहाली के मारे इस देश में, श्संपत्तियांश बांटे जाने का डर अपने आप में तो बहुत ज्यादा कारगर नहीं हो सकता था, हालांकि खरबपतियों की यार, सूट–बूट की सरकार चला रही, दुनिया की सबसे मालदार मोदी पार्टी को, संपत्तियों के पुनर्वितरण के रत्तीभर इशारे में, प्राणांतक खतरा दिखाई देना स्वाभाविक था।

आखिरकार, पुनर्वितरण की कोई भी बात चलेगी, तो मोदी के खरबपति मित्रों तक ही जाएगी, जिनके चंदों ने मोदी की भाजपा को भी सबसे अमीर पार्टी बना दिया है। मोदी की भाजपा, जो इन अरबपतियों के ज्यादा से ज्यादा दौलत बटोरने को ही शविकासश मानती है और उन्हें ही संपदा निर्माता बताती है, उनसे कुछ भी लिए जाने को सहन ही नहीं कर सकती है। लेकिन, उनके दुर्भाग्य से घोर दरिद्रता झेल रहा आम भारतीय, इसमें उसके साथ नहीं हो सकता है। इसीलिए, पुनर्वितरण के इशारों को पूरी तरह से पलटने के लिए मोदी एंड कंपनी ने इसे पूरी तरह से सांप्रदायिक रूप देते हुए, श्मुसलमानों को बांट देंगेश का मामला बना दिया! बेशक, आगे चलकर मुसलमान शब्द का इस्तेमाल छोड़कर, विपक्षियों के श्तुष्टड्ढीकरण वाले वोट बैंकश, श्जेहादी वोट बैंकश आदि कर दिया गया, लेकिन इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं छोड़ी गई कि इशारा मुसलमानों की ओर है। दूसरे चरण के मतदान में भी 2019 के मुकाबले गिरावट से इसकी पुष्टिड्ढ होने के बाद कि अगर कोई हवा चल रही है, तो मोदी एंड कंपनी के खिलाफ ही चल रही है, इन मुस्लिम–विरोधी दावों को आम हिंदुओं के बीच विश्वसनीय बनाने की कोशिश में, बांटने के उक्त दावों को अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के श्आरक्षण को छीन लेंगे, बांट देंगेश की ओर बढ़ा दिया गया। कर्नाटक समेत दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में और बिहार में भी, अन्य पिछड़ा वर्ग के हिस्से के तौर पर मुसलमानों को कई दशकों से हासिल जिस आरक्षण पर कर्नाटक में विधानसभाई चुनाव से ऐन पहले मोदी की भाजपा ने विवाद खड़ा किया था और जिस आरक्षण को खत्म करने की उसकी सरकार की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था, उसी आरक्षण की कांग्रेस सरकार द्वारा बहाली को, खासतौर पर अन्य पिछड़े वर्ग के हिंदुओं के बीच मुस्लिमविरोधी उन्माद जगाने की कोशिश की गई। बहरहाल, तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिर तक आते, आते सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की ये कोशिशें भी भोंथरी हो गई लगती हैं। आरक्षण के मुद्दे पर और संविधान को बदलने के मंसूबों के मुद्दे पर मोदी की भाजपा, आरएसएस सरसंघचालक भागवत को मैदान में उतारने के बावजूद, खुद बचाव पर है। यह भी सभी जानते हैं कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में कोई बदलाव किया ही नहीं जा सकता है। ऐसे में पिछड़े वर्ग में पिछड़े मुसलमानों के आरक्षण के पहले से चले आते प्रावधान को मुद्दा बनाकर, ध्रुवीकरण के लिए कोई खास लाभ हासिल करना मुश्किल है, जबकि बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी जैसी ज्वलंत चिंताएं मतदाताओं के सामने मुंह बाए खड़ी हैं। इसी पृष्ठड्ढभूमि में आधा चुनाव अपने हाथ से निकल गया देखकर, मोदी की भाजपा पूरी तरह से राम भरोसे हो गई है। नरेंद्र मोदी इसीलिए, दौड़े–दौड़े रामलला को दंडवत प्रणाम करने पहुंचे हैं। इसी दौरान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मोदी के मंदिर अभियान को और स्पष्टड्ढ सांप्रदायिक दिशा में आगे बढ़ाते हुए, हिंदुओं को डराना शुरू कर दिया है कि इंडिया गठबंधन की सरकार आ गई तो हिंदुओं पर जजिया लगा देंगे, बने–बनाए मंदिर को पलटवा देंगे, आदि आदि। इसी बीच मोदी की पार्टी के चुनाव प्रचार में पाकिस्तान की एंट्री तो हो ही चुकी है–कि इंडिया गठबंधन की जीत से पाकिस्तान खुश हो जाएगा। खैर! पाकिस्तान की खुशी–नाखुशी अपनी जगह, गौर करने वाली बात यह है कि चार सौ पार के दावे छोड़कर मोदी एंड कंपनी ने अब लोगों को इसका डर दिखाना शुरू कर दिया है कि इंडिया गठबंधन आ जाएगा!

जीएफ कालेज में ईवीएम एवं वीवी पैट के कमीशनिंग कार्य का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

शाहजहांपुर। लोकसभा सामान्य 2024 तथा ददरौल विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने जीएफ कॉलेज में चल रहे ईवीएम एवं वीवी पैट के कमीशनिंग कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिग्रहित सभी कक्षों में पहुंच पर किए जा रहे कमीशनिंग कार्य एवं सीलिंग कार्य का जायजा लिया। कार्य सुचारू रूप से संचालित पाया गया। संबंधित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात पाए गए। डीईओ ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों कर्मचारियों से कमीशनिंग कार्य के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार ही संपूर्ण प्रक्रिया को संपादित किया जाए।

पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार '

शाहजहांपुर। अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में अपराधों की रोकथाम के सम्बन्ध में चलाये गये अभियान के क्रम में संजय कुमार पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण व अमित कुमार चौरसिया क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में थाना निगोही पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट थाना निगोही में वांछित अभियुक्त अजय पुत्र प्रेमचन्द निवासी ग्राम वहेरमा थाना पिहानी जिला हरदोई को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु टीम बनाकर सार्थक प्रयास कर मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त के अभियुक्त अजय पुत्र प्रेमचन्द निवासी ग्राम वहेरमा थाना पिहानी जिला हरदोई को रेलवे क्रासिंग पुवायां रोड से 50 मीटर पुवायां की ओर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी, जिसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार शाहजहांपुर भेजा गया।

ब्लाक भावलखेड़ा में सिसौआ को हराकर बरमौला टीम बनी विजेता'

शाहजहांपुर। देवरास गांव मे क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ सिसौआ और बरमौला अर्जुनपुर की टीम के बीच हुआ, बरमौला की टीम ने 11 रन से सिसौआ की टीम को मात दी बरमौला टीम के कप्तान प्रमोद राठौर ने टॉस जीत कर बैटिंग का निर्णय लिया ओपनिंग पर सोनू सिंह और ठाकुर मंगल सिंह ने उतर कर सम्मान जनक शुरुआत की मंगल सिंह ने मात्र 29 गेंदों का सामना करते हुए 60 रन ठोंक डाले जिसकी बदौलत 14 ओवरों मे बरमौला की टीम ने 141 रन का सम्मान जनक टारगेट दिया वालेश अग्निहोत्री ने शानदार बॉलिंग की 4 ओवर मे 32 रन देकर 3 विकेट चटकाये बहीं कप्तान ने 4 विकेट और श्यामू और मंगल ने दो दो विकेट लिए सिसौआ की टीम 141 रन का पीछा करते ऑल आउट हो गई मैन मैच ऑफ दा रहे ठाकुर मंगल सिंह ने 60 रन और 2 विकेट लिए जिन्हे भगतसिंह रक्त मंच शाहजहांपुर के अध्यक्ष मोनिश भगतसिंह ने विजेता टीम को ट्राफी देकर व 500 नगद राशि देकर सम्मानित कियाद्य निजामुद्दीन ने 16 गेंदों मे 28 रन और प्रमोद तिवारी ने 3 गेंदों मे 12 रन और पिंटू द्विवेदी ने मात्र 6 गेंदों मे 22 रन ठोकें मौके पर धर्मेंद्र सिंह, शेरू, सलमान, अमित आमीन, मोनू दीक्षित आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं से भरी गाड़ी पलटी, पांच लोग घायल, वृद्धा की हालत गंभीर

हाथरस। आगरा के रामबाग का एक परिवार एक गाड़ी से बुलंदशहर स्थित बेलौन वाली देवी के दर्शन करने गए थे। जब यह सभी लोग दर्शन कर आगरा लौट रहे थे। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा–अलीगढ़ बाईपास स्थित नगला भुस के निकट इनकी गाड़ी एकाएक अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे गाड़ी में सवार सभी लोगों में चीख–पुकार मच गई और सभी घायल हो गए। राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा–अलीगढ़ बाईपास स्थित नगला भुस के निकट 7 मई की दोपहर को बेलौन वाली देवी के दर्शन कर लौट रहे आगरा के श्रद्धालुओं की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक वृद्धा सहित पांच श्रद्धालु घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए शहर के बागला जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वृद्धा की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। आगरा के रामबाग निवासी एक ही परिवार की रामवती पत्नी महावीर प्रसाद, अशोक पुत्र महावीर प्रसाद, सरिता पत्नी अशोक, अखिल पुत्र अशोक व आकांक्षा पुत्री अशोक 7 मई की सुबह एक गाड़ी से बुलंदशहर स्थित बेलौन वाली देवी के दर्शन करने गए थे। जब यह सभी लोग दर्शन कर आगरा लौट रहे थे। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा–अलीगढ़ बाईपास स्थित नगला भुस के निकट इनकी गाड़ी एकाएक अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे गाड़ी में सवार सभी लोगों में चीख–पुकार मच गई और सभी घायल हो गए। आनन–फानन घायलों को इलाज के लिए शहर के बागला जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी होने पर अन्य परिजन व रिश्तेदार भी बागला जिला अस्पताल पहुंच गए। घायलों में शामिल रामवती की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

ब्रेकर पर उछली बाइक, महिला की सड़क पर गिरकर हुई मौत, परिवार में छाया मातम

हाथरस। सिकंदराराऊ के मोहल्ला ब्राह्मणपुरी निवासी पति–पत्नी वोट डालने के बाद बाइक पर अपनी ससुराल एटा जा रहे थे। एटा से पहले सुन्ना नहर पर स्पीड ब्रेकर से बाइक उछल गई, जिससे पीछे बैठी महिला सड़क पर गिर गई। इलाज के लिये ले जाते समय उनकी दर्दनाक मौत हो गई। पति–पत्नी वोट डालने के बाद बाइक से अपनी ससुराल जा रहे थे। स्पीड ब्रेकर पर बाइक उछल गई। जिससे महिला सड़क पर गिर गई और उनकी मौत हो गई। घटना से परिवार में मातम छा गया। सिकंदराराऊ के मोहल्ला ब्राह्मणपुरी निवासी अजीत शर्मा पत्रकार हैं। वह अपनी 57 वर्षीय पत्नी सुधा शर्मा के साथ वोट डालने के बाद बाइक पर अपनी ससुराल एटा जा रहे थे।

सिंधौली में पहुंचे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना बोले कि ज्यादा से ज्यादा लोग करें मतदान

सुरेश खन्ना बोले कि विपक्षी दल के लोग ये अफवाह उड़ा रहे हैं कि मोदी जी संविधान को बदल देंगे

शाहजहांपुर। सिंधौली ब्लॉक की ब्लॉक प्रमुख मछला सिंह के पति मुनेश्वर सिंह की अध्यक्षता में सिंधौली कस्बे में हुई एक चुनावी सभा में यूपी के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना पहुंचे। सुरेश खन्ना ने बीजेपी के लोकसभा प्रत्याशी अरुण कुमार सागर के पक्ष में सिंधौली की जनता को संबोधित किया । ब्लॉक प्रमुख पति भाजपा नेता मुनेश्वर सिंह की अध्यक्षता में सिंधौली में पेट्रोल पंप के पीछे हुई जनसभा में हजारों लोग सुरेश खन्ना को सुनने के लिए पहुंचे । जनता को संबोधित करते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि उनके सभी कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को घर से निकालकर मतदान केंद्र तक लेकर जाएं। सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्षी दलों के नेता यह अफवाह उड़ा रहे हैं कि अगर तीसरी बार मोदी सरकार आई तो संविधान को बदल देंगे। जबकि हकीकत यह है कि बाबा साहब के द्वारा बनाए गए संविधान को कोई भी बदल नहीं सकता, इसलिए कोई भी किसी के बहकावे में न आए। इस मौके पर मुख्य अतिथि यूपी के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, विधायक श्रीमती सलोना कुशवाह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप यादव, श्याम नारायण मिश्रा, सुरेंद्र पाल जिला पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

विवाहिता ने पी कीटनाशक दवा सीएचसी में भर्ती, हालत बिगड़ने पर किया रेफर

शाहजहांपुर। बीत 6 माह से मायके में रह रही विवाहिता ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। हालत बिगड़ने पर सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत में सुधार न होने पर उसे जिला अस्पताल शाहजहांपुर किया गया रेफर।जानकारी के मुताबिक थाना गड़िया रंगीन के गांव खमरिया निवासी रवि की पत्नी सीमा बीते 6 महीने से अपने मायके कटरा नगर के मोहल्ला आतिशाबाजान में रह रही थी। रवि ने बताया कि वह बाहर रहकर मजदूरी करता है और सोमवार की शाम वह अपनी ससुराल पत्नी को लेने गया था।मंगलवार को सुबह उसकी पत्नी सीमा ने उसके साथ 1 महीना और न जाने की बात कहकर मना कर दिया। तभी सीमा के भाई राकेश ने उसे डांट दिया। जिससे नाराज होकर सीमा ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। परिजन आनन फानन में उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां उसकी हालत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया।

55.36 प्रतिशत हुआ मतदान, 6.29 प्रतिशत कम हुई वोटिंग, बहिष्कार भी खूब हुआ

हाथरस। गर्मी के कारण मतदाताओं के कदम ठिठक गए। जैसे–जैसे तापमान बढ़ता गया, मतदान की गति सुस्त होती गई। दोपहर को मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसर गया। शाम तक मतदान प्रतिशत गिरता चला गया। हाथरस संसदीय सीट पर मंगलवार को 55.36 मतदान प्रतिशत रहा है। 2019 के चुनाव के मुकाबले 6.29 प्रतिशत कम है। मतदान को लेकर पूरे दिन प्रशासनिक अमला सतर्क रहा। मतदान प्रतिशत में गिरावट बहिष्कार की वजह मानी जा रही है। कई गांवों में हुए बहिष्कार के चलते मतदान प्रतिशत बेहद कम रहा है। हाथरस संसदीय सीट पर पांच विधानसभाओं में मतदान हुआ था। तीसरे चरण में जिले में हो रहे मतदान को लेकर प्रेक्षक पी श्री वेंकटा प्रिया, जिला निर्वाचन अधिकारी अर्चना वर्मा, पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल, सीडीओ साहित्य प्रकाश मिश्र ने प्राथमिक विद्यालय बरामई बूथ संख्या 03, संविलियन विद्यालय हतीसा बूथ संख्या 220 और रामबाग इंटर कॉलेज के बूथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथों पर तैनात मतदान कार्मिकों से मतदान के बारे में जानकारी की। उन्होंने पीठासीन अधिकारी को प्रत्येक दो घंटे पर वोटर टर्न आउट एप पर सूचना अपलोड करने के निर्देश दिए। इस दौरान मतदाताओं से भी वार्ता की। लोकसभा चुनाव 2024 प्रति दो घंटे में मतदान प्रतिशत विधानसभा 9 बजे 11 बजे 1 बजे 3 बजे 5 बजे 6 बजे छर्रा 14.5 28.01 39.05 47.02 56.06 57.78 इगलास 13.75 25.63 35.96 42.76 51.87 53.86 हाथरस 11.5 23.22 38.03 44.92 54.32 56.5 सादाबाद 13.78 24.61 36.56 42.1 50.78 52.49 सिकंदराराऊ 13.78 27.12 39.05 46.23 54.3 56.1 कुल 13.43 25.68 37.72 44.6 53.48 55.36 विधानसभा 2019 2024 छर्रा 60.8 57.78 इगलास 63.25 53.86 हाथरस 64.33 56.5 सादाबाद 59.42 52.49 सिकंदराराऊ 60.45 56.1 कुल 61.65 55.36 गर्मी से ठिठके कदम, गिरकर संभला मतदान प्रतिशत फिरा गिरा गर्मी के कारण मतदाताओं के कदम ठिठक गए। जैसे–जैसे तापमान बढ़ता गया, मतदान की गति सुस्त होती गई। दोपहर को मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसर गया। शाम तक मतदान प्रतिशत गिरता चला गया। 7 मई को हाथरस लोकसभा सीट पर मतदान हुआ। सुबह के समय मतदाताओं में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला। गर्मी के कारण मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 24 डिग्री व अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया। जैसे–जैसे तापमान बढ़ता गया, मतदान की रफ्तार धीमी होती गई। दोपहर को मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसर गया। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे तक 13.43 फीसदी मतदान हुआ था। 11 बजे तक 25.68 फीसदी मतदान हुआ था। दोपहर को एक बजे तक 37.72 फीसदी मतदान हुआ। तीन बजे तक 44.6 फीसदी मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक 53.48 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि यहां मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई तो प्रशासन को मतदान प्रतिशत बढ़ने की आस जगी, फिर से शाम तक फाइनल मतदान 55.36 प्रतिशत रहा।आखिरी एक घंटे में महज 1.88 फीसदी ही मतदान हो सका। दस प्रतिशत से कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्र विधानसभा क्षेत्र मतदान केंद्र मतदान प्रतिशत सिकंदराराऊ प्रा पा भिलोखरी 0 हाथरस प्रा पा ततारपुर 0.4 सादाबाद संविलियन नगला फत्ता करसौरा 1.15 हाथरस संविलियन पा सीकर क. न. 1 1.63 हाथरस संविलियन पा सीकर क. न. 2 2.37 सिकंदराराऊ संविलियन पा चिन्तपुर बदन 2.67 सादाबाद प्रा पा सौरई 4.54 हाथरस संविलियन पा ऊतरा क. न. 1 9.44 2014, 2019 के आंकड़ों को भी नहीं छू सका मतदात प्रतिशत हाथरस संसदीय सीट पर इस बार के मतदान प्रतिशत के आंकड़े चौंकाने वाले रहे। सुबह तक मतदान प्रतिशत ठीक रहा, लेकिन धीरे–धीरे गिरावट दर्ज होती गई। प्रशासनिक अमले को यह उम्मीद थी कि यह आंकड़ा करीब 60 फीसदी तक पहुंच जाएगा, लेकिन पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव का आंकड़ा पार नहीं हो सका। पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा 5.71 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। जिला प्रशासन की ओर से स्वीप के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए तमाम आयोजन किए गए थे, लेकिन सारे प्रयासों का कोई खास असर नजर नहीं आया।

तमाम कार्यक्रमों के बाद भी यहां के मतदाताओं को मतदान के प्रति रुझान कराने में प्रशासनिक अमला विफल साबित रहा। वहीं, दूसरी ओर तमाम गांवों में मतदान का बहिष्कार भी मतदान प्रतिशत कम करने में भूमिका निभाता रहा। हैरानी की बात यह है कि इस बार का लोकसभा चुनाव का मतदान प्रतिशत वर्ष 2019 के आंकड़ों तक पहुंचना तो दूर की बात रही 2014 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को भी पार नहीं कर सका। वर्ष मतदान प्रतिशत 1962 56.95 1967 54.45 1971 43.77 1977 61.95 1980 49.86 1984 50.61 1989 51.37 1991 51.57 1996 39.02 1998 47.58 1999 41.08 2004 41 2009 45.01 2014 59.66 2019 61.07 2024 55.36 20 गांवों में चुनाव बहिष्कार, मनाते रहे अफसर लोकसभा चुनाव।